घटना | खितौली परिक्षेत्र के पश्चिम बगदरी बीट की घटना, वन विभाग ने जांच शुरू की

जंगल में मिला बाघ का शव, संघर्ष में मौत की आशंका

चिल्हारी नवभारत 11 मई। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत खितौली परिक्षेत्र के पश्चिम बगदरी बीट से एक बड़ी वन्यजीव घटना सामने आई है। ढमढमा कैंप क्षेत्र में गश्ती के दौरान वन विभाग को एक बाघ मृत अवस्था में मिला है। प्रारंभिक जांच में बाघ की मौत आपसी संघर्ष में होना माना जा रहा है। घटना के बाद वन विभाग ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ढमढमा कैंप में तैनात सुरक्षा श्रमिकों ने देर रात जंगल के भीतर से बाघों की तेज गर्जना और लड़ाई जैसी आवाजें सुनीं। लगातार आती आवाजों के बाद कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही गश्ती दल मौके पर पहुंचा और पूरे क्षेत्र में सघन छानबीन शुरू की गई।

मृत बाघ के सभी अंग सुरक्षित मिले

वन विभाग के अनुसार मृत बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे शिकार या अवैध तस्करी की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। इसके बावजूद हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। घटना स्थल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि किसी भी प्रकार के साक्ष्य प्रभावित नहीं हों।

बाघ के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए

तलाशी के दौरान जंगल के भीतर एक बाघ मृत अवस्था में मिला। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्राथमिक परीक्षण किया। जांच के दौरान बाघ के शरीर पर गंभीर चोटों और हमले के निशान पाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला बाघों के बीच आपसी संघर्ष का प्रतीत हो रहा है।

गाइडलाइन और एसओपी के तहत जांच जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाथी गश्ती दल, डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। वन अमला आसपास के जंगल क्षेत्र में संघर्ष के अन्य संकेतों और गतिविधियों की तलाश कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की गाइडलाइन और एसओपी के तहत की जा रही है।

अपना इलाका और दबदबा बनाए रखने होता है बाघों में संघर्ष

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर बाघों के बीच संघर्ष की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। जंगल में अपना इलाका और दबदबा बनाए रखने के लिए बाघ अक्सर आमने-सामने आ जाते हैं। फिलहाल वन विभाग पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

तेंदूपत्ता संग्रहण कर रही महिला पर बाघ का हमला

ग्रामीणों की सूझबूझ से बची जान, दाहिने हाथ को जबड़े में जकड़ लिया था बाघ ने

चिल्हारी नवभारत 11 मई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गई एक महिला पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया, हालांकि ग्रामीणों की बहादुरी और तत्परता से महिला की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम मानपुर निवासी निरसिया बैगा रविवार सुबह लगभग 9 बजे अपने परिवार एवं अन्य ग्रामीणों के साथ बीट मानपुर के जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

महिला गंभीर रूप से घायल

बाघ ने महिला के दाहिने हाथ को अपने जबड़े में जकड़ लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत एकजुट हो गए और जोर-जोर से शोर मचाते हुए साहस का परिचय दिया। ग्रामीणों के शोर से बाघ जंगल की ओर भाग गया, जिससे महिला की जान बच सकी।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है। वहीं वन विभाग द्वारा लोगों को जंगल क्षेत्रों में सतर्कता बरतने एवं समूह में जाने की सलाह दी जा रही है।

दिनदहाड़े शिक्षक का रुपयों से भरा बैग ले उड़ा युवक

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

शहपुरा नवभारत 11 मई। नगर में सोमवार दोपहर एक सनसनीखेज चोरी की वारदात सामने आई, जहां एक अज्ञात युवक शिक्षक का रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं पूरी वारदात का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार शिक्षक बैंक से करीब 50 हजार रुपये निकालकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान वे शहपुरा नगर स्थित एक चाय दुकान पर चाय और पानी पीने के लिए रुके थे। बताया जा रहा है कि शिक्षक ने रुपयों से भरा काले रंग का बैग अपने पास रखा हुआ था। इसी बीच शिक्षक पानी पीने के लिए गिलास उठाकर दुकान के बाहर निकले और बैग कुर्सी पर ही रख दिया। बस इसी मौके का फायदा उठाकर एक अज्ञात युवक दुकान के अंदर पहुंचा और बड़ी चालाकी से बैग उठाकर बाहर खड़े अपने साथी की बाइक पर बैठकर फरार हो गया। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को भनक तक नहीं लग सकी।

बाइक सवार साथी के साथ भागा युवक

घटना सोमवार दोपहर करीब 12 :30 बजे की बताई जा रही है। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वायरल वीडियो में युवक बैग उठाकर तेजी से बाहर निकलते और बाइक सवार साथी के साथ भागते हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद शिक्षक ने तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

20 बिस्तरों के अस्पताल निर्माण कार्य पर उठने लगे गंभीर सवाल

भारी अनियमितता और गुणवत्ताहीन निर्माण का आरोप, ठेकेदार कर रहा मनमानी, अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

शहपुरा नवभारत 11 मई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में निर्माणाधीन 20 सैया अस्पताल भवन के कार्य में भारी अनियमितताओं और गुणवत्ता विहीन निर्माण को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना में ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से कार्य किए जाने तथा विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों एवं जानकारों के अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ होने से पूर्व एसबीएल परीक्षण के बाद ही फाउंडेशन निर्माण कराया जाना था तथा कार्यपालन यंत्री के निर्देश एवं तकनीकी परीक्षण के पश्चात आगे की प्रक्रिया अपनाई जानी थी, लेकिन यहां प्रारंभिक स्तर से ही नियमों की अनदेखी की जा रही है।

तकनीकी मानकों के अनुसार नहीं हो रहा कार्य-आरोप है कि ठेकेदार द्वारा बिना उचित तकनीकी निगरानी के निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निर्माण स्थल पर बनाए जा रहे कॉलमों की गहराई अलग-अलग बताई जा रही है, जबकि कई स्थानों पर बिना मानक परीक्षण के ही कांक्रीट कर दी गई है। तकनीकी मानकों के अनुसार आवश्यक कवर ब्लॉक का उपयोग भी नहीं किया गया।

मानक स्तर की गिट्टी का उपयोग नहीं किया जा रहा-आरोप यह भी है कि निर्माण में मानक स्तर की गिट्टी के स्थान पर 8 से 10 एमएम की बारीक गिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, जो तकनीकी दृष्टि से उचित नहीं माना जाता। स्थानीय लोगों का कहना है कि साइट पर उपयंत्री, एसडीओ तथा वरिष्ठ कार्यपालन यंत्री का नियमित निरीक्षण नहीं होना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है।

ठेकेदार को अधिकारियों का मिल रहा संरक्षण-लोगों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की अनदेखी के कारण ठेकेदार को खुला संरक्षण मिल रहा है और करोड़ों रुपये की इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना में गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित निर्माण एजेंसी इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करती है तथा निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराकर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती है या नहीं।

कांक्रीट कार्य में वायब्रेटर का सीमित उपयोग किया गया

कांक्रीट कार्य में वायब्रेटर का सीमित उपयोग किए जाने तथा नियमित क्यूरिंग (तराई) नहीं होने से निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि निर्माण स्थल पर ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता परीक्षण हेतु अस्थायी लैब स्थापित किया जाना अनिवार्य था, लेकिन मौके पर किसी प्रकार की लैब उपलब्ध नहीं है। इससे निर्माण सामग्री एवं कंक्रीट की गुणवत्ता जांच नहीं हो पा रही है। श्रमिक सुरक्षा और श्रम कानूनों की भी खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप लगे हैं। निर्माण स्थल पर लगभग 20 से अधिक मजदूर कार्यरत बताए जा रहे हैं, लेकिन उनका श्रम विभाग में पंजीयन नहीं कराया गया है। मजदूरों के रहने, बैठने और भोजन जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं का भी अभाव बताया जा रहा है।

साप्ताहिक बाजार से लौट रहे सराफा व्यापारी से बदमाशों ने छीना गहनों से भरा बैग

चिल्हारी नवभारत 11 मई। जिले के पाली थाना अंतर्गत घुनघुटी चौकी क्षेत्र में शनिवार शाम एक सराफा व्यापारी से लूट की वारदात सामने आई है। साप्ताहिक बाजार से लौट रहे व्यापारी को तीन अज्ञात बदमाशों ने रास्ते में रोककर मारपीट की और सोना-चांदी के गहनों व नगदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है

जानकारी के अनुसार फरियादी रजत कुमार सोनी साप्ताहिक बाजारों में सोना-चांदी के गहने बेचने का काम करता है। शनिवार को वह अपने साथी सुरेन्द्र सिंह के साथ ग्राम चौरी के साप्ताहिक बाजार में गहने बेचने गया था। बाजार समाप्त होने के बाद दोनों मोटरसाईकिल से वापस अपने गांव लौट रहे थे।

बैग छीनने के प्रयास में बाइक से रजत व सुरेंद्र गिर गए

वह ग्राम बलबई करौदियाई मानपुर-शहडोल मार्ग पर पहुंचे, तभी पीछे से बिना नंबर की काले रंग की पल्सर मोटरसाईकिल पर सवार तीन युवक पहुंचे और चलती बाइक में व्यापारी का बैग छीनने का प्रयास करने लगे। छीना-झपटी के दौरान मोटरसाईकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे रजत सोनी और सुरेन्द्र सिंह दोनों सड़क पर गिर पड़े।

एक लाख रुपये से अधिक की लूट

फरियादी के अनुसार बैग में करीब 300 ग्राम चांदी के गहने जिनकी कीमत लगभग 75 हजार रुपये तथा करीब 2 ग्राम सोने के गहने कीमत लगभग 30 हजार रुपये रखे थे। इसके अलावा 500 रुपये नगद, आधार कार्ड और गहने तौलने के दो कांटे भी बैग में मौजूद थे। कुल लूटी गई संपत्ति की कीमत करीब 1 लाख 5 हजार 500 रुपये बताई गई है।

बिना नंबर की बाइक से आए थे बदमाश

इसके बाद दो बदमाश नीचे उतरे और रजत सोनी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक आरोपी गहनों और नगदी से भरा बैग छीनकर ले गया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी बिना नंबर की पल्सर मोटरसाईकिल से ओदरी की तरफ फरार हो गये।

आरोपियों का हुलिया पुलिस को बताया

घटना में रजत सोनी को कंधे, हाथ, पैर और जांघ में चोटें आई हैं, जबकि सुरेन्द्र सिंह के हाथ में चोट लगी है। फरियादी ने आरोपियों का हुलिया भी पुलिस को बताया है और पहचान करने की बात कही है। घटना की सूचना पर घुनघुटी चौकी पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आरोपियों में एक नाबालिग शामिल

नवभारत को मिली जानकारी अनुसार आरोपियों में दो युवक और एक नाबालिक सामिल है, जिसमें सत्यम तथा नागेश को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं नाबालिक को भी हिरासत में लिया गया। इस घटना की कार्यवाही पूरी कर पुलिस चौकी घुनघुटी पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

फर्जी बिल लगाकर किया गया लाखों रुपए का आहरण

ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव द्वारा भारी वित्तीय अनियमितता की गई

अमरपुर नवभारत 11 मई। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत साम्हर, जहां फर्जी बिल लगाकर राशि आहरण करने का सिलसिला प्रचलन में आ गया हैं।

इसी कड़ी में पंचायत की प्रस्ताव अनुसार पोषक ग्राम बिलगांव में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कुंवर के घर से प्रताप के घर तक का प्राक्कलन उपयंत्री द्वारा 6.26 लाख रुपये तैयार किया गया। इस प्रकरण में सहायक यंत्री द्वारा 15वां वित्त आयोग मद से तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 64 दिनांक 1/8/25 के तहत तकनीकी स्वीकृति प्रदाय की गई। इसके बाद सरपंच और सचिव का खेल शुरू हुआ।

इन बिलों का किया गया भुगतान-10 अगस्त 2025 को रचित ट्रेडर्स खैरदा सक्का का बिल क्रमांक 252 के माध्यम से 14 घन मीटर रेत 1580/ घमी. की दर से 22124/ का भुगतान किया गया, फिर 1 फरवरी 2026 को सतीश ट्रेडर्स सिधौली अमरपुर से रेत 20 घन मीटर 1500/ घ. मी. की दर से 30,000/ एवं सतीश ट्रेडर्स सिधौली अमरपुर से 15 घन मीटर रेत बिल क्रमांक 170, गिट्टी 17 घन मीटर 1600/ प्रति घमी. की दर से 27,200/, 1 फरवरी 26 को भुगतान किया गया।

2,41,320 रुपये का भुगतान किया गया-1 फरवरी 26 को बिल क्रमांक 1151 सीमेंट 100 बैग दर 350/ प्रति बैग 35000/ का भुगतान ओम ट्रेडर्स सिविल लाइन डिंडौरी, ओम ट्रेडर्स बिल क्रमांक 1146, 4 फरवरी 2026 को रेत 20 घन मीटर 1500/ प्रति घमी. की दर से 30,000/, ओम ट्रेडर्स सिविल लाइन डिंडौरी से बिल क्रमांक 1155, 12 फरवरी 2026 रेत 35 घमी. 2000/ प्रति घमी. की दर से 70,000/ एवं इसी बिल से 30 घमी. गिट्टी 1900/ प्रति घमी. की दर से 54,000 का भुगतान किया गया हैं। इस प्रकार कुल 2,41,320/ का भुगतान किया गया हैं।

सीमेंट, गिट्टी एवं रेत के बिल तो लगे, लेकिन खरीदी नहीं की गई-कार्य स्थल पर सीमेंट, गिट्टी एवं रेत आदि जिन सामग्री का बिल लगा हैं, इसकी खरीदी ही नहीं की गई और न ही ग्राम पंचायत द्वारा निविदा या कोटेशन आमंत्रित किया गया हैं। मनमानी दर से सामग्री का बिल लगाया गया हैं। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव द्वारा भारी वित्तीय अनियमित्ता बढ़ती गई हैं। जोकि जांच के दायरे में आता हैं।

बदहाली | ग्राम पंचायत धनवासी का मामला, योजनाओं की हकीकत बयां कर रही जिम्मेदारों की उदासीनता

सामुदायिक स्वच्छता परिसर बने शोपीस, लटका रहता है ताला

अमरपुर नवभारत 11 मई। जिले के अमरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत धनवासी में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसर आज अपनी बदहाली और बंद पड़े होने के कारण सवालों के घेरे में हैं।

ग्रामीणों और यात्रियों को स्वच्छ प्रसाधन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए ये परिसर अब केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। पंचायत की लापरवाही का आलम यह है कि अधिकांश समय इन परिसरों में ताला लटका रहता है, जिसके कारण ग्रामीणों को खुले में जाने या अन्य स्थानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चला रही है, लेकिन धरातल पर जिम्मेदारों की उदासीनता योजनाओं की हकीकत बयां कर रही है।

स्वच्छता परिसरों की स्थिति है बदहाल

केंद्र और राज्य सरकार गांवों को स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। गांव-गांव में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया ताकि ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले यात्रियों को स्वच्छ प्रसाधन की सुविधा मिल सके। इसी उद्देश्य के तहत अमरपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत धनवासी में भी लाखों रुपये की लागत से दो सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया था, लेकिन निर्माण के वर्षों बाद भी इन परिसरों की स्थिति बदहाल बनी हुई है।

गांव में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद जगी थी

ग्रामीणों का कहना है कि जब स्वच्छता परिसर बनाए गए थे तब उन्हें उम्मीद थी कि गांव में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी और विशेष रूप से महिलाओं एवं बुजुर्गों को सुविधा मिलेगी, लेकिन वर्तमान स्थिति पूरी तरह विपरीत नजर आ रही है। गांव के लोग बताते हैं कि कई बार जरूरत पड़ने पर भी उन्हें बंद दरवाजे ही देखने को मिलते हैं। मजबूरी में लोग खुले स्थानों या दूसरे इलाकों का सहारा लेते हैं।

योजना की सफलता पर सवाल

स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए सामुदायिक शौचालयों का मुख्य उद्देश्य गांवों में स्वच्छता को बढ़ावा देना और लोगों को खुले में शौच से मुक्ति दिलाना है, लेकिन जब ऐसी सुविधाएं उपयोग में ही न आएं तो योजनाओं की सफलता पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। धनवासी पंचायत में बने दोनों स्वच्छता परिसरों की हालत देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि निर्माण के बाद इनके संचालन और रखरखाव की ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया।

निगरानी के अभाव में सुविधाएं लोगों तक नहीं पहुंच पाती

धनवासी पंचायत में बने सामुदायिक स्वच्छता परिसर आज सरकारी योजनाओं कीउस तस्वीर को सामने ला रहे हैं जहां निर्माण तो हो जाता है, लेकिन संचालन और निगरानी के अभाव में सुविधाएं लोगों तक नहीं पहुंच पातीं। लाखों रुपये खर्च कर तैयार किए गए इन परिसरों का उपयोग यदि ग्रामीण नहीं कर पा रहे हैं तो यह सीधे तौर पर सरकारी धन और योजनाओं की उपयोगिता पर सवाल खड़ा करता है। जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि इस समस्या को गंभीरता से लें और जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करें।

स्वच्छता का संदेश दिखावा साबित हो रहा

गौर करने वाली बात यह भी है कि सरकार द्वारा स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा गांवों में स्वच्छता का संदेश दिया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों की लापरवाही योजनाओं को कमजोर कर रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत और संबंधित विभाग तत्काल इस मामले में ध्यान दें और स्वच्छता परिसरों को नियमित रूप से संचालित कराया जाए। इनकी साफ-सफाई और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि ग्रामीणों को वास्तविक लाभ मिल सके।

इनका कहना है

स्वच्छता परिसर बना तो दिया गया, लेकिन हमेशा बंद रहता है। जरूरत के समय उपयोग नहीं कर पाते। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। पंचायत को इसे नियमित रूप से खुलवाना चाहिए।

ग्रामीण ग्राम धनवासी

बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रशासन की तानाशाही के चलते बैठे आंदोलन पर

शहपुरा नवभारत। नगर को बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल प्रशासन की तानाशाही और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए तहसील कार्यालय के द्वार पर आंदोलन पर बैठे गए।

दरअसल मुरूम खदान के विवाद को लेकर शहपुरा तहसीलदार ने जेसीबी मशीन और डंपर वाहन को जब्त कर लिया जिसके चलते विवाद बढ़ गया । बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल ने प्रशासन पर तानाशाही और मनमानी करते हुए जेसीबी मशीन और डंपर जब्त करने का आरोप लगाते हुए प्रताड़ना का आरोप लगाया। गौरतलब है कि बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल ने बताया कि आवंटित मुरूम खदान से मुरूम निकलने का काम किया जा रहा था उसी दौरान तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर मनमानी ढंग से कार्यवाही करते हुए वाहनों को जब्त किया।

न्यायालय- श्रीमान् कर्नल सिंह श्याम, अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड शहपुरा, जिला डिण्डौरी म.प्र.

इमरत सिंह — **उत्तराधिकार प्र.क. 06/2025** — प्रो.नं. 44/2026

विरुद्ध — पेशी दिनांक 14.05.2026

प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया शाखा कठौतिया व अन्य

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925

आवेदक इमरत सिंह पिता स्व. पदमलाल, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम घुघरा टोला, पोस्ट कठौतिया, तहसील शहपुरा जिला डिण्डौरी (म.प्र.) द्वारा अनावेदक क्रं.-02 जन साधारण, जो कि आवेदक का बडा दादा स्व. रामनाथ के नाम पर अनावेदकगण क्रं.-01 शाखा प्रबंधक महोदय, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया शाखा कठौतिया तहसील शहपुरा, जिला डिण्डौरी म.प्र. के यहाँ बचत खाता क्रमांक 2391860192 में जमा राशि 37051/- (सैंतीस हजार इक्यावन रुपए) एवं उस पर मिलने वाले लाभाश को प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय से उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त आवेदन पत्र के संबंध में इस न्यायालय में दिनांक 14.05.2026 को प्रात: 11:00 बजे से सुनवाई होगी।

अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि उक्त राशि के संबंध में आवेदक एवं अनावेदकगण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र जारी किए जाने में यदि किसी व्यक्ति, निकाय संस्था या मृतक से संबंधित अन्य किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो व अपना पक्ष समर्थन इस न्यायालय में दिनांक 14.05.2026 को प्रात: 11:00 बजे उपस्थित होकर स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त दिनांक तक आपत्ति नहीं होने पर आवेदन पत्र की सुनवाई एकपक्षीय रूप से किया जाकर आदेश पारित किया जावेगा। यदि किसी कारण वश न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

यह आज दिनांक 08.05.2026 का मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

(कर्नल सिंह श्याम)
अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ
खण्ड शहपुरा, जिला डिण्डौरी म.प्र.